'SUNKUL- मार्ग दर्शन'

नि:शुल्क टेस्ट सीरीज

हिन्दी साहित्य का इतिहास- डॉ. नगेन्द्र

(पृष्ठ सं० 1 से 20)

TEST-01

01. डॉ. नगेन्द्र द्वारा सम्पादित 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' का प्रथम संस्करण कब प्रकाशित हुआ ?

(अ)1964 ई. (ब) 1970 ई.
(स) 1973 ई. (द)1976 ई. (स)

⇨ उत्तर- 1973 ई.

विशेष:-

नेशनल पब्लिशिंग हाउस द्वारा प्रकाशन

02. डॉ. नगेन्द्र द्वारा सम्पादित 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' के लेखक मण्डल में नहीं था ?

(अ)डॉ. भोलानाथ तिवारी (ब)डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
(स)आचार्य परशुराम चतुर्वेदी (द)हजारी प्रसाद द्विवेदी (द)

⇨ उत्तर- हजारी प्रसाद द्विवेदी

विशेष:-

जिसे हम डॉ. नगेन्द्र का 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' कहते हैं वास्तव में 'डॉ. नगेन्द्र' उसके सम्पादक व 'डॉ. हरदयाल उसके सहसम्पादक है।

- डॉ. नगेन्द सम्पादित 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' का रचनाकार एक लेखक मण्डल है; जैसे-

डॉ.नगेन्द्र - भूमिका
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : पुनर्लेखन की समस्याएँ
- काल विभाजन और नामकरण
- रीतिकाल की उपलब्धियाँ
- उपसंहार

- डॉ. भोलानाथ तिवारी - हिन्दी भाषा: उद्भव, विकास और स्वरूप
- डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त - पूर्वपीठिका, प्रेमाख्यानक काव्य
- आचार्य परशुराम चतुर्वेदी - भक्तिकाल, पूर्वपीठिका
- डॉ. विजयेन्द्र स्नातक - सगुण भक्ति काव्य, भक्तिकाल की उपलब्धियाँ
- डॉ. बच्चन सिंह - आधुनिक काल- पूर्वपीठिका
- डॉ. रामचन्द्र तिवारी - भारतेन्दु युग- गद्य साहित्य
- द्विवेदी युग- गद्य साहित्य
- डॉ. गोपाल राय - छायावाद युग- गद्य साहित्य
- डॉ. हरदयाल - उत्तर आधुनिक विमर्श
- अद्यतन हिन्दी कविता
- अद्यतन हिन्दी गद्य साहित्य

03. '' केवल अतीत ही वर्तमान को प्रभावित नहीं करता, वर्तमान भी अतीत को प्रभावित करता है।'' यह कथन है ?

(अ)डॉ. नगेन्द्र (ब)इलियट
(स) स्किनर (द)डॉ.बच्चन सिंह (ब)

⇨ उत्तर- इलियट

04. 'शौरसेनी अपभ्रंश' की उपभाषा नहीं है ?

(अ)पश्चिमी हिन्दी (ब)राजस्थानी
(स)पूर्वी हिन्दी (द)गुजराती (स)

⇨ उत्तर- पूर्वी हिन्दी

विशेष:-

अपभ्रंश	उपभाषाएँ
1. शौरसेनी	- पश्चिमी हिन्दी, राजस्थानी, पहाड़ी, गुजराती
2. पैशाची	- लहंदा, पंजाबी
3. ब्राचड़	- सिंधी
4. महाराष्ट्री	- मराठी
5. मागधी	- बिहारी, बांग्ला, उड़िया, असमिया
6. अर्द्धमागधी	- पूर्वी हिन्दी

नोट:-

हिन्दी भाषा का उद्भव व विकास अपभ्रंश के निम्न रूपों से हुआ है-

1 शौरसेनी 2. अर्द्धमागधी 3. मागधी

05. 'बिहारी' उपभाषा की बोली नहीं है ?

(अ)अवधी (ब)भोजपुरी
(स) मैथिली (द)मगही (अ)

⇨ उत्तर- अवधी

विशेष:-

उपभाषाएँ	बोलियाँ
1. प. हिन्दी	- 1. खड़ी बोली 2. ब्रज 3. बांगरू (हरियाणी) 4. बुंदेली 5. कन्नौजी
2. पूर्वी हिन्दी	- 1. अवधी 2. बघेली 3. छत्तीसगढ़ी
3. राजस्थानी	- 1. प. राजस्थानी (मारवाड़ी) - 2. पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी) - 3. उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) - 4. दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)
4. पहाड़ी	- 1. प. पहाडी 2. मध्यवर्ती पहाड़ी (कुमाऊँनी गढ़वाली)
5. बिहारी	- 1. मगही, 2. मैथिली, 3. भोजपुरी

06. किस बोली का उपनाम 'कौरवी' भी है ?

(अ)खड़ी बोली (ब)ब्रजभाषा
(स)अवधी (द)मगही (अ)

SUNKUL मार्गदर्शन

⇨ उत्तर- खड़ी बोली

07. 'ब्रजभाषा' का विकास किस अपभ्रंश से हुआ है ?

(अ)पैशाची (ब)ब्राचड़

(स)महाराष्ट्री (द)शौरसेनी (द)

⇨ उत्तर- शौरसेनी

विशेष:-

- शौरसेनी से प. हिन्दी, प. हिन्दी से ब्रज

08. 'हरियाणवी' बोली का अन्य नाम है ?

(अ)बांगरु (ब)कौरवी

(स)खरी (द)खड़ी बोली (अ)

⇨ उत्तर- बांगरु

09. बोली व उसके क्षेत्र से संबंधित असंगत क्रम है ?

(अ)मैथिली- पूर्णिया, दरभंगा, मुंगेर

(ब)पूर्वी राजस्थानी- जयपुर, किशनगढ़, अजमेर

(स)बघेली- बिलासपुर, रायपुर, नंदगांव

(द)अवधी- फतेहपुर, प्रतापगढ़, सीतापुर (स)

⇨ उत्तर-बघेली- बिलासपुर, रायपुर, नंदगांव

विशेष:-

बघेली- रीवां, नागौद, शहडौल, सतना, नागौद, महर, रीवां

छत्तीसगढी- बिलासपुर, रायपुर, नंदगाँव

10. 'उर्दू' का शाब्दिक अर्थ है ?

(अ)शाही शिविर (ब)खेमा

(स)फौजी पड़ाव (द)उपर्युक्त सभी (द)

⇨ उत्तर- उपर्युक्त सभी

विशेष:-

'हिन्दी' शब्द का प्रयोग भाषा के लिए सर्वप्रथम शरफुद्दीन यज्दी के 'जफरनामा' में हुआ।

11. ''हिन्दू मग पर पांव न राख्यौ, का बहुतै जो हिन्दी भाख्यौ।'' उपर्युक्त पंक्तियाँ किस रचनाकार की है ?

(अ)नूर मुहम्मद (ब)जायसी

(स)उसमान (द)शेखनवी (अ)

⇨ उत्तर- नूर मुहम्मद

12. हिन्दी में कितनी उपभाषाएँ व बोलिया है ?

(अ)4 व 16 (ब)5 व 17

(स)3 व 11 (द)4 व 13 (ब)

⇨ उत्तर- 5 व 17

13. हिन्दी भाषा का विकास किस उपभ्रंश से नहीं हुआ है ?

(अ)शौरसेनी (ब)मागधी

(स)अर्धमागधी (द)पैशाची (द)

⇨ उत्तर- पैशाची

14. अपभ्रंश में कितने स्वर थे ?

(अ)चार (ब)छ:

(स)आठ (द)ग्यारह (स)

⇨ उत्तर- आठ

विशेष:-

आठस्वर- अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ओ

- ये आठों स्वर मूल स्वर है।
- आदिकाल में हिन्दी में दो नये स्वर
- ऐ, औ विकसित हो गये, जो संस्कृत स्वर थे।

15. वर्तमान में हिन्दी भाषा है ?

(अ)संयोगात्मक (ब)वियोगात्मक

(स)अ व ब दोनों (द)कोई नहीं (ब)

⇨ उत्तर- वियोगात्मक

विशेष:-

- अपभ्रंश संयोगात्मक थी
- अपभ्रंश में क्रिया तथा कारकीय रूप संयोगात्मक होते थे।
- हिन्दी में सहायक क्रिया तथा परसर्गों का प्रयोग काफी होने लगा और धीरे-धीरे संयोगात्मक भाषा का रूप वियोगात्मक हो गया।

16. अपभ्रंश भाषा थी ?

(अ)संयोगात्मक (ब)वियोगात्मक

(स)अ व ब दोनों (द)कोई नहीं (अ)

⇨ उत्तर- संयोगात्मक

17. 'बिहारी' भाषा का विकास किस अपभ्रंश से हुआ है ?

(अ)शौरसेनी (ब)पैशाची

(स)ब्राचड़ (द)मागधी (द)

⇨ उत्तर- मागधी

विशेष:-

मागधी अपभ्रंश से- बिहारी, बांग्ला, उड़िया, असमिया

18. 'पूर्वी हिन्दी' का विकास किस अपभ्रंश से हुआ है ?

(अ)अर्धमागधी (ब)मागधी

(स)महायष्टी (द)ब्राचड़ (अ)

⇨ उत्तर- अर्धमागधी

19. 'ब्रजभाषा' का क्षेत्र नहीं है ?

(अ)आगरा (ब)मथुरा

(स)एटा (द)मेरठ (द)

⇨ उत्तर- मेरठ

20. 'पीलीभीत' क्षेत्र में हिन्दी की कौनसी बोली, बोली जाती है ?

(अ)बुंदेली (ब)बघेली

(स)कन्नौजी (द)छत्तीसगढ़ी (स)

⇨ उत्तर- कन्नौजी

SUNRUL मार्गदर्शन